ॐ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Sample

Created By: www.futurepointindia.com

Model: T-PageTitle,Y4

Order No: 101-102-101-1001/112920

Future Point (P) Ltd.

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016

Ph.: 011-40541000, 40541020

Email: mail@futurepointindia.com

Sample

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/01/2012	जन्म तिथि	01/01/2012
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 23:10:00	जन्म समय	23:10:00 घंटे
घटी 39:46:25	जन्म समय(घटी)	39:46:25 घटी
India	देश	India
	स्थान	
28:39:00 उ	अक्षांश	28:39:00 उ
77:13:00 पू	रेखांश	77:13:00 पू
82:30:00 पू	मध्य रेखांश	82:30:00 पू
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:25	सूर्योदय	07:15:25
17:33:35	सूर्यास्त	17:33:35
24:01:46	चित्रपक्षीय अयनांश	24:01:46
सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मीन	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
रेवती	नक्षत्र	रेवती
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	2
परिघ	योग	परिघ
बव	करण	बव
दो	जन्म नामाक्षर	दो
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
गज	योनि	गज
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

Sample

जन्म - विवरण

अ	नक्षत्र	पद	अंश	राशि व
	उत्तराफाल्गुनी	1	29:48:36	सिंह
	पूर्वाषाढ़ा	2	16:40:45	धनु
	रेवती	2	21:51:40	मीन
	पूर्वाफाल्गुनी	4	26:15:35	सिंह
	ज्येष्ठा	4	26:47:40	वृश्चि
	अश्विनी	2	06:24:58	मेष
	श्रवण	4	20:41:47	मक
	चित्रा	4	04:18:21	तुला
	ज्येष्ठा	1	19:56:38	वृश्चि
	रोहिणी	3	19:56:38	वृष
	उत्तराभाद्रपद	2	06:49:41	मीन

वर्ष - विवरण

ग्रह	व राशि	अंश	पद	नक्षत्र	अ
लग्न	सिंह	29:48:36	1	उत्तराफाल्गुनी	
सूर्य	धनु	16:40:45	2	पूर्वाषाढ़ा	
चंद्र	मीन	21:51:40	2	रेवती	
मंग	सिंह	26:15:35	4	पूर्वाफाल्गुनी	
बुध	वृश्चि	26:47:40	4	ज्येष्ठा	
गुरु	मेष	06:24:58	2	अश्विनी	
शुक्र	मक	20:41:47	4	श्रवण	
शनि	तुला	04:18:21	4	चित्रा	
राहु	वृश्चि	19:56:38	1	ज्येष्ठा	
केतु	वृष	19:56:38	3	रोहिणी	
मु	सिंह	29:48:36	1	उत्तराफाल्गुनी	

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:46

लग्न-चलित

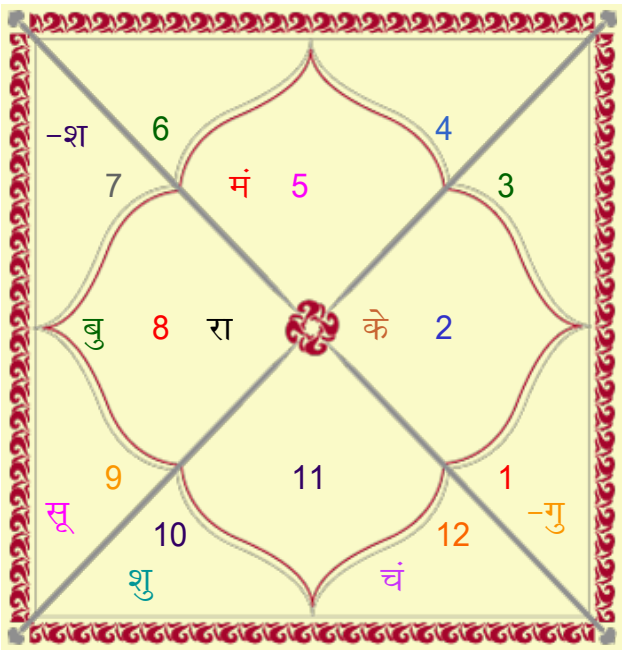

वर्ष लग्न कुंडली

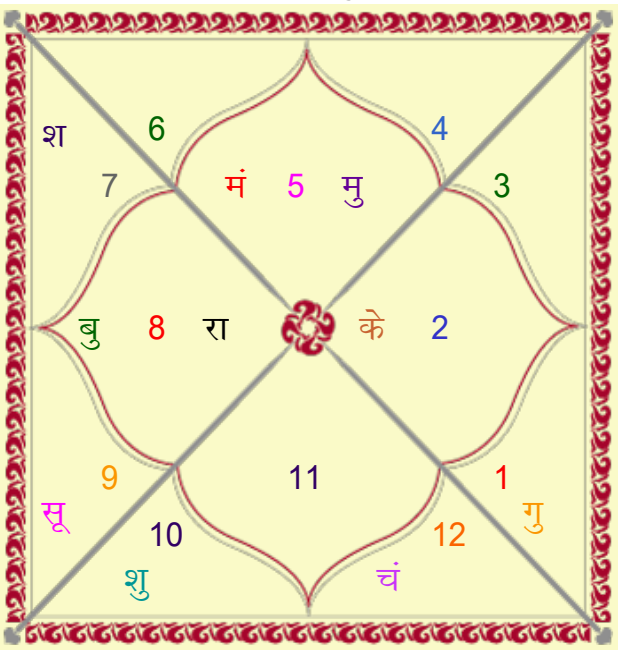

Sample

चन्द्र कुंडली

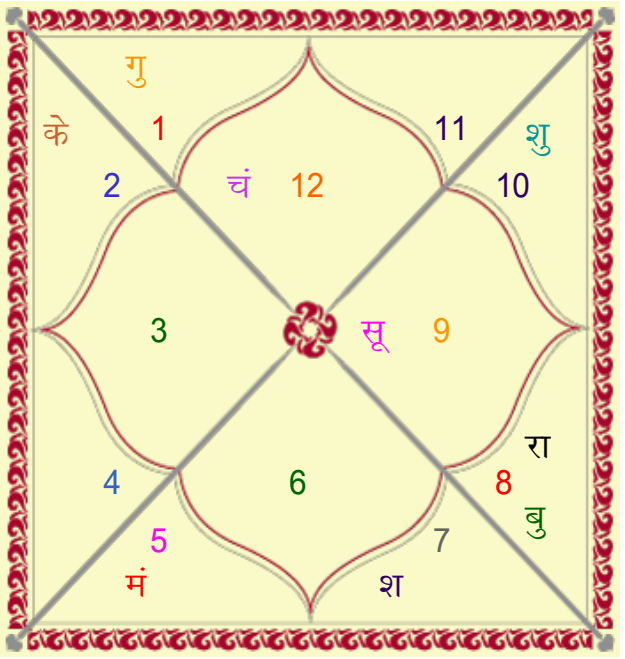

वर्ष चन्द्र कुंडली

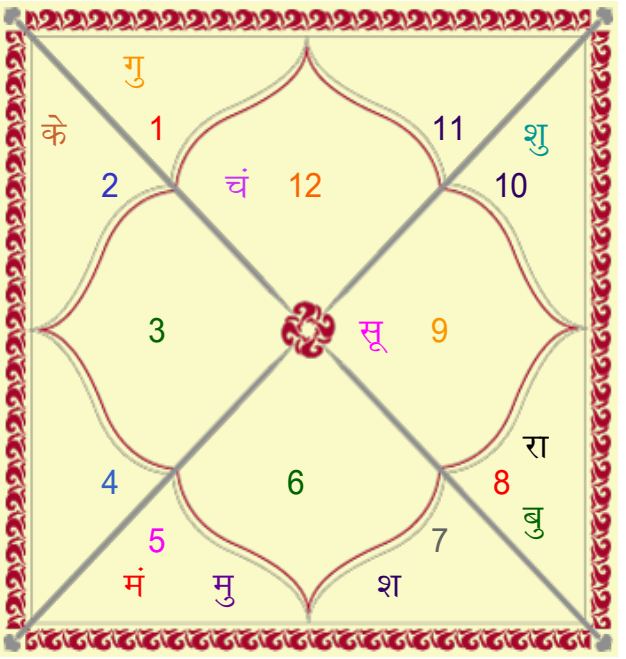

नवमांश कुंडली

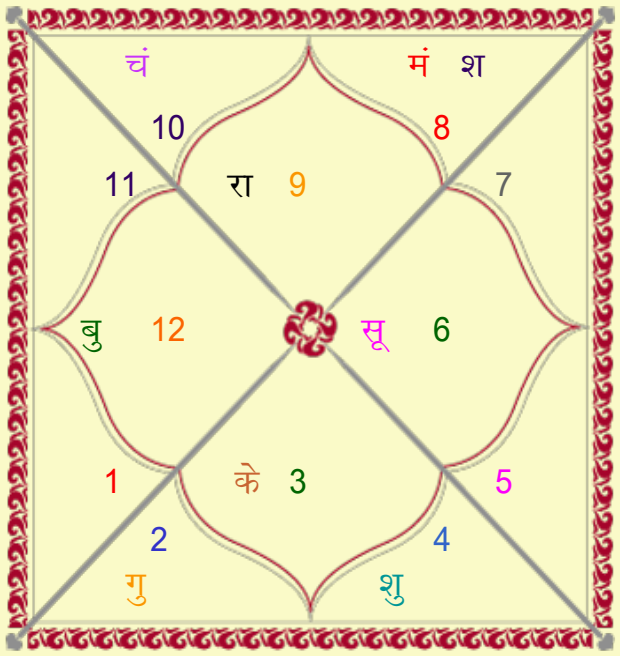

वर्ष नवमांश कुंडली

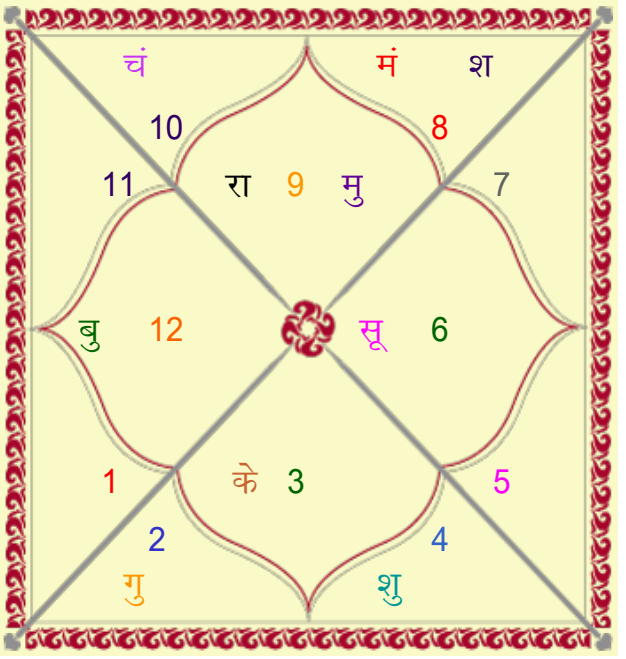

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	----	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र
चन्द्र	शत्रु	----	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
मंगल	मित्र	सम	----	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
बुध	सम	मित्र	शत्रु	----	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	सम	मित्र	सम	----	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	----	शत्रु
शनि	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	----

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	धनु	मीन	सिंह	वृश्चि	मेष	मक	तुला
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मेष	कर्क	वृश्चि	मेष	वृष	मेष	सिंह	कर्क
चतुर्थांश	वृष	मिथु	कंया	वृष	सिंह	मेष	कर्क	तुला
पंचमांश	तुला	धनु	मक	तुला	वृश्चि	कुंभ	मक	मेष
षष्ठांश	कंया	कर्क	कुंभ	कंया	मीन	वृष	कुंभ	मेष
सप्तमांश	कुंभ	मीन	कुंभ	कुंभ	वृश्चि	वृष	वृश्चि	वृश्चि
अष्टमांश	मीन	कंया	तुला	मीन	मीन	वृष	कंया	वृष
नवमांश	धनु	कंया	मक	वृश्चि	मीन	वृष	कर्क	वृश्चि
दशमांश	वृष	वृष	मिथु	मेष	मीन	मिथु	मीन	वृश्चि
एकादशांश	वृष	वृष	तुला	मेष	कर्क	वृष	कर्क	तुला
द्वादशांश	कर्क	मिथु	वृश्चि	मिथु	कंया	मिथु	कंया	वृश्चि

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
होरा	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	सम	स्व	मित्र	मित्र	सम	सम
चतुर्थांश	सम	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
पंचमांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	शत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
सप्तमांश	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
अष्टमांश	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
नवमांश	सम	सम	स्व	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
दशमांश	सम	मित्र	स्व	सम	सम	शत्रु	मित्र
एकादशांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
द्वादशांश	सम	सम	शत्रु	स्व	सम	मित्र	मित्र
शुभ	3	4	7	3	4	5	7
सम	6	7	3	6	2	3	1
अशुभ	3	1	2	3	6	4	4
कुल	सम	शुभ	शुभ	सम	अशुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	5	5	0	0	0	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	10	0	5	0	5	15
बल	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	क्षीण	बली

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	15.00	22.50	7.50	22.50	7.50	7.50
उच्च बल	7.41	15.43	3.14	12.02	10.16	12.63	18.26
हददा बल	11.25	7.50	15.00	7.50	3.75	7.50	15.00
द्रेष्काण	2.50	5.00	10.00	7.50	7.50	5.00	5.00
नवमांश	2.50	2.50	5.00	2.50	1.25	3.75	3.75
कुल	46.16	45.43	55.64	37.02	45.16	36.38	49.51
विंशोपक	11.54	11.36	13.91	9.26	11.29	9.10	12.38
बल	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	सूर्य
दिवापति	गुरु	11.29	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृष	24:37:41	शुक्र	14/04/2012
गुरु	मक	04:59:31	शनि	15/04/2012
ज्ञान	मक	04:59:31	शनि	15/04/2012
यश	वृश्चि	18:01:19	मंग	04/04/2012
मित्र	मिथु	10:19:56	बुध	20/05/2012
माहात्म्य	मक	01:26:30	शनि	10/04/2012
आशा	मक	16:12:02	शनि	28/04/2012
समर्थ	धनु	20:13:46	गुरु	16/10/2012
भातृ	मेष	01:55:13	मंग	10/08/2012
गौरव	मक	02:07:27	शनि	11/04/2012
राजा	धनु	12:11:00	गुरु	07/10/2012
पितृ	धनु	12:11:00	गुरु	07/10/2012
मातृ	मिथु	28:38:43	बुध	02/06/2012
सुत	तुला	14:21:54	शुक्र	21/10/2012
जीव	कुंभ	27:41:59	शनि	14/06/2012
अम्बु	मिथु	28:38:43	बुध	02/06/2012
कर्म	धनु	00:20:41	गुरु	23/09/2012
रोग	मीन	21:51:40	गुरु	02/02/2013
कामदेव	वृष	24:37:41	शुक्र	14/04/2012
कलि	कुंभ	19:39:13	शनि	05/06/2012
क्षेम	कुंभ	19:39:13	शनि	05/06/2012
शास्त्र	मिथु	24:41:03	बुध	30/05/2012
बन्धु	वृष	04:44:36	शुक्र	28/03/2012
बंधक	वृष	04:44:36	शुक्र	28/03/2012
मृत्यु	वृश्चि	12:10:04	मंग	28/03/2012

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
अर्थ	कर्क	02:44:19	चंद्र	11/03/2012
परदारा	वृश्चि	03:49:38	मंग	19/03/2012
अन्यकर्म	मीन	17:21:55	गुरु	27/01/2013
वणिक	मक	24:52:36	शनि	08/05/2012
कार्यसिद्धि	मक	24:02:34	शनि	07/05/2012
विवाह	मक	16:12:02	शनि	28/04/2012
प्रसूति	कुंभ	09:25:54	शनि	24/05/2012
संताप	कंया	12:10:04	बुध	30/09/2012
श्रद्धा	मक	24:14:48	शनि	07/05/2012
प्रीति	मेष	10:10:27	मंग	18/08/2012
बल	वृश्चि	18:01:19	मंग	04/04/2012
देह	वृश्चि	18:01:19	मंग	04/04/2012
जाडय	तुला	18:44:54	शुक्र	26/10/2012
व्यापार	मिथु	29:16:31	बुध	02/06/2012
जलपतन	तुला	18:44:54	शुक्र	26/10/2012
शत्रु	सिंह	21:45:50	सूर्य	12/07/2012
शौर्य	वृष	28:10:42	शुक्र	17/04/2012
उपाय	कुंभ	27:41:59	शनि	14/06/2012
दरिद्रता	वृष	24:37:41	शुक्र	14/04/2012
गुरुता	मक	23:07:51	शनि	06/05/2012
जलपथ	कर्क	10:30:15	चंद्र	16/03/2012
बंधन	वृष	20:07:56	शुक्र	10/04/2012
कन्या	मिथु	28:38:43	बुध	02/06/2012
अश्व	मक	07:35:06	शनि	18/04/2012

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

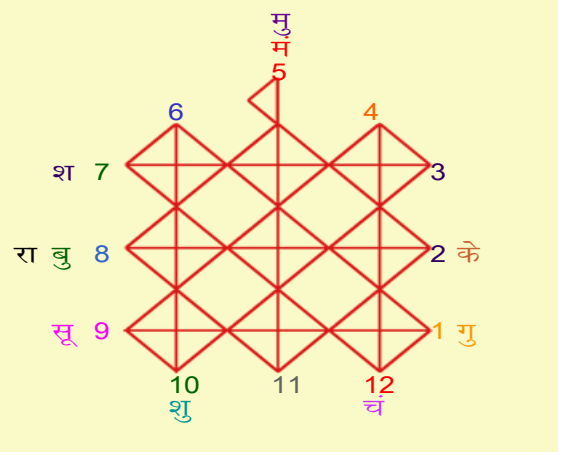

पात्यंश दशा

शनि
01/01/2012
23/02/2012

शनि	09/01/2012
गुरु	13/01/2012
सूर्य	31/01/2012
शुक्र	07/02/2012
चंद्र	09/02/2012
मंग	17/02/2012
बुध	18/02/2012
लग्न	23/02/2012

गुरु
23/02/2012
20/03/2012

गुरु	25/02/2012
सूर्य	05/03/2012
शुक्र	08/03/2012
चंद्र	09/03/2012
मंग	13/03/2012
बुध	14/03/2012
लग्न	16/03/2012
शनि	20/03/2012

सूर्य
20/03/2012
24/07/2012

सूर्य	02/05/2012
शुक्र	19/05/2012
चंद्र	24/05/2012
मंग	12/06/2012
बुध	14/06/2012
लग्न	27/06/2012
शनि	15/07/2012
गुरु	24/07/2012

शुक्र
24/07/2012
11/09/2012

शुक्र	30/07/2012
चंद्र	01/08/2012
मंग	09/08/2012
बुध	10/08/2012
लग्न	15/08/2012
शनि	22/08/2012
गुरु	25/08/2012
सूर्य	11/09/2012

चंद्र
11/09/2012
25/09/2012

चंद्र	12/09/2012
मंग	14/09/2012
बुध	14/09/2012
लग्न	15/09/2012
शनि	17/09/2012
गुरु	18/09/2012
सूर्य	23/09/2012
शुक्र	25/09/2012

मंग
25/09/2012
18/11/2012

मंग	03/10/2012
बुध	04/10/2012
लग्न	10/10/2012
शनि	17/10/2012
गुरु	21/10/2012
सूर्य	09/11/2012
शुक्र	16/11/2012
चंद्र	18/11/2012

बुध
18/11/2012
25/11/2012

बुध	18/11/2012
लग्न	19/11/2012
शनि	20/11/2012
गुरु	20/11/2012
सूर्य	23/11/2012
शुक्र	24/11/2012
चंद्र	24/11/2012
मंग	25/11/2012

लग्न
25/11/2012
01/01/2013

लग्न	29/11/2012
शनि	04/12/2012
गुरु	06/12/2012
सूर्य	19/12/2012
शुक्र	24/12/2012
चंद्र	26/12/2012
मंग	31/12/2012
बुध	01/01/2013

शनि
01/01/2013
00/00/0000

शनि	01/01/2013
गुरु	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000
बुध	00/00/0000
लग्न	00/00/0000

शनि
01/01/2013
00/00/0000

शनि	01/01/2013
गुरु	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000
बुध	00/00/0000
लग्न	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Sample

मुद्दा दशा

बुध
01/01/2012
22/02/2012

बुध	09/01/2012
केतु	12/01/2012
शुक्र	20/01/2012
सूर्य	23/01/2012
चंद्र	27/01/2012
मंग	30/01/2012
राहु	07/02/2012
गुरु	14/02/2012
शनि	22/02/2012

केतु
22/02/2012
15/03/2012

केतु	23/02/2012
शुक्र	27/02/2012
सूर्य	28/02/2012
चंद्र	01/03/2012
मंग	02/03/2012
राहु	05/03/2012
गुरु	08/03/2012
शनि	11/03/2012
बुध	15/03/2012

शुक्र
15/03/2012
14/05/2012

शुक्र	25/03/2012
सूर्य	28/03/2012
चंद्र	02/04/2012
मंग	05/04/2012
राहु	14/04/2012
गुरु	23/04/2012
शनि	02/05/2012
बुध	11/05/2012
केतु	14/05/2012

सूर्य
14/05/2012
02/06/2012

सूर्य	15/05/2012
चंद्र	17/05/2012
मंग	18/05/2012
राहु	21/05/2012
गुरु	23/05/2012
शनि	26/05/2012
बुध	29/05/2012
केतु	30/05/2012
शुक्र	02/06/2012

चंद्र
02/06/2012
02/07/2012

चंद्र	04/06/2012
मंग	06/06/2012
राहु	11/06/2012
गुरु	15/06/2012
शनि	19/06/2012
बुध	24/06/2012
केतु	25/06/2012
शुक्र	01/07/2012
सूर्य	02/07/2012

मंग
02/07/2012
23/07/2012

मंग	03/07/2012
राहु	07/07/2012
गुरु	09/07/2012
शनि	13/07/2012
बुध	16/07/2012
केतु	17/07/2012
शुक्र	21/07/2012
सूर्य	22/07/2012
चंद्र	23/07/2012

राहु
23/07/2012
16/09/2012

राहु	01/08/2012
गुरु	08/08/2012
शनि	17/08/2012
बुध	24/08/2012
केतु	28/08/2012
शुक्र	06/09/2012
सूर्य	08/09/2012
चंद्र	13/09/2012
मंग	16/09/2012

गुरु
16/09/2012
04/11/2012

गुरु	23/09/2012
शनि	30/09/2012
बुध	07/10/2012
केतु	10/10/2012
शुक्र	18/10/2012
सूर्य	21/10/2012
चंद्र	25/10/2012
मंग	28/10/2012
राहु	04/11/2012

शनि
04/11/2012
01/01/2013

शनि	13/11/2012
बुध	21/11/2012
केतु	25/11/2012
शुक्र	04/12/2012
सूर्य	07/12/2012
चंद्र	12/12/2012
मंग	15/12/2012
राहु	24/12/2012
गुरु	01/01/2013

बुध
01/01/2013
00/00/0000

बुध	01/01/2013
केतु	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000
राहु	00/00/0000
गुरु	00/00/0000
शनि	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

बुध-सूर्य-गुरु
01/01/2012 23:10
07/01/2012 02:10

गुरु	00/00/0000 00:00
शनि	00/00/0000 00:00
बुध	00/00/0000 00:00
केतु	00/00/0000 00:00
शुक्र	00/00/0000 00:00
सूर्य	00/00/0000 00:00
चंद्र	00/00/0000 00:00
मंग	01/01/2012 23:10
राहु	07/01/2012 02:10

बुध-सूर्य-शनि
07/01/2012 02:10
25/02/2012 05:56

शनि	14/01/2012 20:58
बुध	21/01/2012 20:06
केतु	24/01/2012 16:55
शुक्र	01/02/2012 21:33
सूर्य	04/02/2012 08:32
चंद्र	08/02/2012 10:51
मंग	11/02/2012 07:40
राहु	18/02/2012 16:38
गुरु	25/02/2012 05:56

बुध-सूर्य-बुध
25/02/2012 05:56
09/04/2012 05:30

बुध	02/03/2012 11:28
केतु	05/03/2012 01:03
शुक्र	12/03/2012 08:58
सूर्य	14/03/2012 13:45
चंद्र	18/03/2012 05:43
मंग	20/03/2012 19:18
राहु	27/03/2012 09:38
गुरु	02/04/2012 06:22
शनि	09/04/2012 05:30

बुध-सूर्य-केतु
09/04/2012 05:30
27/04/2012 08:09

केतु	10/04/2012 06:51
शुक्र	13/04/2012 07:18
सूर्य	14/04/2012 05:02
चंद्र	15/04/2012 17:15
मंग	16/04/2012 18:36
राहु	19/04/2012 11:48
गुरु	21/04/2012 21:45
शनि	24/04/2012 18:35
बुध	27/04/2012 08:09

बुध-सूर्य-शुक्र
27/04/2012 08:09
18/06/2012 02:00

शुक्र	05/05/2012 23:08
सूर्य	08/05/2012 13:13
चंद्र	12/05/2012 20:42
मंग	15/05/2012 21:09
राहु	23/05/2012 15:25
गुरु	30/05/2012 13:00
शनि	07/06/2012 17:38
बुध	15/06/2012 01:34
केतु	18/06/2012 02:00

बुध-चंद्र-चंद्र
18/06/2012 02:00
31/07/2012 04:53

चंद्र	21/06/2012 16:14
मंग	24/06/2012 04:36
राहु	30/06/2012 15:50
गुरु	06/07/2012 09:49
शनि	13/07/2012 05:41
बुध	19/07/2012 08:17
केतु	21/07/2012 20:39
शुक्र	29/07/2012 01:08
सूर्य	31/07/2012 04:53

बुध-चंद्र-मंग
31/07/2012 04:53
30/08/2012 09:17

मंग	01/08/2012 23:08
राहु	06/08/2012 11:48
गुरु	10/08/2012 12:23
शनि	15/08/2012 07:05
बुध	19/08/2012 13:42
केतु	21/08/2012 07:58
शुक्र	26/08/2012 08:42
सूर्य	27/08/2012 20:55
चंद्र	30/08/2012 09:17

बुध-चंद्र-राहु
30/08/2012 09:17
16/11/2012 00:04

राहु	11/09/2012 00:42
गुरु	21/09/2012 09:04
शनि	03/10/2012 16:01
बुध	14/10/2012 15:54
केतु	19/10/2012 04:34
शुक्र	01/11/2012 03:02
सूर्य	05/11/2012 00:10
चंद्र	11/11/2012 11:24
मंग	16/11/2012 00:04

बुध-चंद्र-गुरु
16/11/2012 00:04
23/01/2013 23:52

गुरु	25/11/2012 04:50
शनि	06/12/2012 03:00
बुध	15/12/2012 21:35
केतु	19/12/2012 22:10
शुक्र	31/12/2012 10:08
सूर्य	03/01/2013 20:55
चंद्र	09/01/2013 14:54
मंग	13/01/2013 15:30
राहु	23/01/2013 23:52

बुध-चंद्र-शनि
23/01/2013 23:52
15/04/2013 22:08

शनि	05/02/2013 23:11
बुध	17/02/2013 13:45
केतु	22/02/2013 08:26
शुक्र	08/03/2013 00:09
सूर्य	12/03/2013 02:28
चंद्र	18/03/2013 22:19
मंग	23/03/2013 17:01
राहु	04/04/2013 23:57
गुरु	15/04/2013 22:08

बुध-चंद्र-बुध
15/04/2013 22:08
28/06/2013 05:25

बुध	26/04/2013 07:22
केतु	30/04/2013 13:59
शुक्र	12/05/2013 19:12
सूर्य	16/05/2013 11:10
चंद्र	22/05/2013 13:46
मंग	26/05/2013 20:24
राहु	06/06/2013 20:17
गुरु	16/06/2013 14:52
शनि	28/06/2013 05:25

बुध-चंद्र-केतु
28/06/2013 05:25
28/07/2013 09:50

केतु	29/06/2013 23:40
शुक्र	05/07/2013 00:24
सूर्य	06/07/2013 12:38
चंद्र	09/07/2013 01:00
मंग	10/07/2013 19:15
राहु	15/07/2013 07:55
गुरु	19/07/2013 08:30
शनि	24/07/2013 03:12
बुध	28/07/2013 09:50

बुध-चंद्र-शुक्र
28/07/2013 09:50
22/10/2013 15:35

शुक्र	11/08/2013 18:47
सूर्य	16/08/2013 02:16
चंद्र	23/08/2013 06:45
मंग	28/08/2013 07:29
राहु	10/09/2013 05:57
गुरु	21/09/2013 17:55
शनि	05/10/2013 09:38
बुध	17/10/2013 14:50
केतु	22/10/2013 15:35

बुध-चंद्र-सूर्य
22/10/2013 15:35
17/11/2013 12:30

सूर्य	23/10/2013 22:37
चंद्र	26/10/2013 02:22
मंग	27/10/2013 14:35
राहु	31/10/2013 11:44
गुरु	03/11/2013 22:31
शनि	08/11/2013 00:50
बुध	11/11/2013 16:48
केतु	13/11/2013 05:01
शुक्र	17/11/2013 12:30

बुध-मंग-मंग
17/11/2013 12:30
08/12/2013 15:35

मंग	18/11/2013 18:05
राहु	21/11/2013 22:09
गुरु	24/11/2013 17:45
शनि	28/11/2013 02:03
बुध	01/12/2013 01:53
केतु	02/12/2013 07:28
शुक्र	05/12/2013 19:59
सूर्य	06/12/2013 21:20
चंद्र	08/12/2013 15:35

बुध-मंग-राहु
08/12/2013 15:35
31/01/2014 23:32

राहु	16/12/2013 19:11
गुरु	24/12/2013 01:02
शनि	01/01/2014 15:30
बुध	09/01/2014 08:13
केतु	12/01/2014 12:17
शुक्र	21/01/2014 13:37
सूर्य	24/01/2014 06:48
चंद्र	28/01/2014 19:28
मंग	31/01/2014 23:32

वर्ष योग

इक्कबाल

1. इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1.4.7.10) और पणफर (2.5.8.11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार

2. इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3.6.9.12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल

3. इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी भविष्यत् शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 16:40:45), एवं मन्दगति

ग्रह मंग (सिंह 26:15:35), के मध्य है।

वर्ष में यह एक शुभ योग माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष आपको वांछित सुख साधनों की प्राप्ति होगी तथा मकान या वाहन आदि भी उपलब्ध होंगे। साथ ही नवीन जायदाद भी बनेगी। माता से इस वर्ष आपको पूर्ण सुख की प्राप्ति होगी तथा उनका स्वास्थ्य उत्तम होगा। इस वर्ष आपका भाग्योदय भी होगा तथा रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। ऐसे समय में आप कोई यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सौभाग्य से कार्य क्षेत्र में उन्नति के योग बनते है। अतः वर्ष में आने वाले शुभ अवसरों का आपको यत्नपूर्वक लाभ उठाना चाहिए।

इसराफ

4. इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह सूर्य (धनु 16:40:45), एवं शीघ्र गति ग्रह चंद्र (मीन 21:51:40) के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। इसके प्रभाव से वर्ष में शुभकार्यो में विलम्ब, आर्थिक सुदृढ़ता में कमी तथा कार्य क्षेत्र में बाधाएं आती है। अतः इस वर्ष में व्यापार आदि में हानि के योग बनते है तथा अनावाश्यक पूंजीनिवेश से भी आय कम ही होगी। अतः पूंजीनिवेश की ऐसे समय में उपेक्षा ही करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त लम्बी दूरी की यात्राओं से हानि एवं मानसिक तनाव के योग बनते है। यदि लम्बी दूरी की यात्रा न की जाय तो श्रेयस्कर रहेगा अतः वर्ष का समय धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (मेष 06:24:58), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 16:40:45) के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। इसके प्रभाव से इस वर्ष सन्तति पक्ष से आपको सन्तुष्टि कम ही मिलेगी तथा उनके विषय में चिन्तित रहेंगे तथा उच्चशिक्षा अजित करने वालो को भी वर्ष में इच्छित सफलताएं कम ही मिलेंगी। राजनीति में सक्रिय लोग भी इस वर्ष में स्वयं को तनाव की स्थिति में महसूस करेंगे। इस वर्ष में आपको जुएं सटटे या लाटरी पर विशेष धन नहीं लगाना चाहिए अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि के योग बनेंगे। अतः वर्ष में सोच समझकर ही किसी कार्य को सम्पन्न करना चाहिए।

नक्त

5. नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग सूर्य तथा शुक्र के मध्य है क्योंकि चंद्र शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया

6. यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

यमया योग सूर्य तथा बुध के मध्य है क्योंकि मंग मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी।व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंम्भ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होगें जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभाव शाली लोंगो से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ

7. मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल

8. कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग सूर्य और मंग के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का सूर्य से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप वन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल

9. गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर

10. खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद

11. रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6.8.12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

रदद योग की सृष्टि सूर्य एवं मंग के मध्य हो रही है क्योंकि सूर्य सूर्य से युक्त है इस योग के शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति में अत्यन्त ही सुदृढ़ता आएगी तथा आय पूर्ण होगी। इस समय आपकी महत्वाकांक्षाएं भी पूर्ण होगी एवं अधिकार सम्पन्न लोंगों से सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण रूके हुए कार्य आसानी से सम्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपको अचानक धन लाभ के भी बनते है। साथ ही किसी जायदाद की प्राप्ति भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त ज्योतिष एवं पराविद्या के क्षेत्र में आपका रूझान हो सकता है।

दुफालिकुत्थ

12. दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर

13. दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर

14. तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ

15. कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूर्ति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ

16. दुरूफयोग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।
वीर्योन्विते ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ रहेंगे तथा आपके विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध रहेंगे तथा

उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्यमान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा ।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। संतति पक्ष से इस वर्ष में आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनकी ओर से आप निश्चिन्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी सफलता अर्जित करेंगे। इस समय आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा आनन्दपूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अन्य वांछित द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से सुख एवं विलास में भी आप लिप्त रहेंगे तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध बनेंगे तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। फलतः नौकरी या राजनीति में पदोन्नति की संभावना रहेगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका यथोचित सम्मान करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नवीन कार्य भी प्रारंभ होगा। इस वर्ष में धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इसके साथ ही सांसारिक चिन्ताएं भी दूर होंगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। अतः समय का सदपुयोग करें ।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी प्रसन्नता तथा शान्ति बनी रहेगी तथा स्वभाव में विनम्रता का भाव विद्यमान रहेगा। संतति पक्ष से इस समय आप निश्चिंत एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी वे उन्नतिशील रहेंगे। स्त्री से भी इस समय आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उससे आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष आपकी बुद्धि में भी तीव्रता रहेगी फलतः सभी कार्य बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न होंगे। धार्मिक कार्य कलापों में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी शुभ कार्य पर आपका व्यय होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको प्राप्ति होगी एवं प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। राजनीति तथा नौकरी के क्षेत्र में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी ।उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं आर्थिक क्षेत्र में भी आप उन्नति करेंगे तथा आपके आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। अतः समय का सदपुयोग करें तथा शुभ कार्यो को पूर्ण करने में तत्पर रहें।

प्रथम माह

01/01/2012 23:10:00

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		सिंह	29:48:36
सूर्य		धनु	16:40:45
चन्द्र		मीन	21:51:40
मंगल		सिंह	26:15:35
बुध		वृश्चिक	26:47:40
गुरु		मेष	06:24:58
शुक्र		मकर	20:41:47
शनि		तुला	04:18:21
राहु		वृश्चिक	19:56:38
केतु		वृष	19:56:38
मु		सिंह	29:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

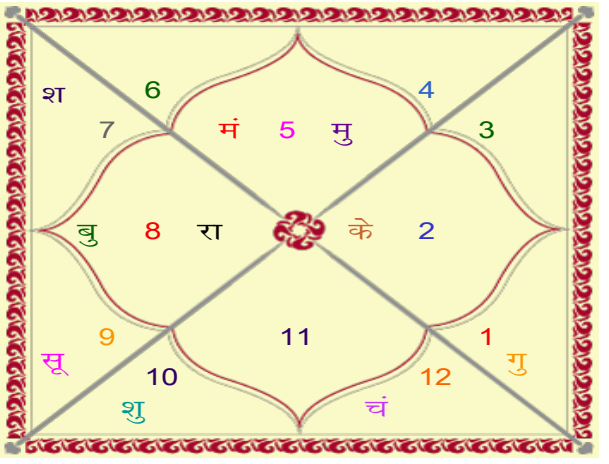

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगेतथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा।इसक, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रूधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय माह
01/02/2012 09:41:03

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मीन	07:04:12
सूर्य		मकर	17:39:50
चन्द्र		मेष	28:29:41
मंगल	व	सिंह	28:38:15
बुध		मकर	13:17:17
गुरु		मेष	08:37:51
शुक्र		कुम्भ	27:34:46
शनि		तुला	05:26:27
राहु		वृश्चिक	18:23:57
केतु		वृष	18:23:57
मु		कन्या	02:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

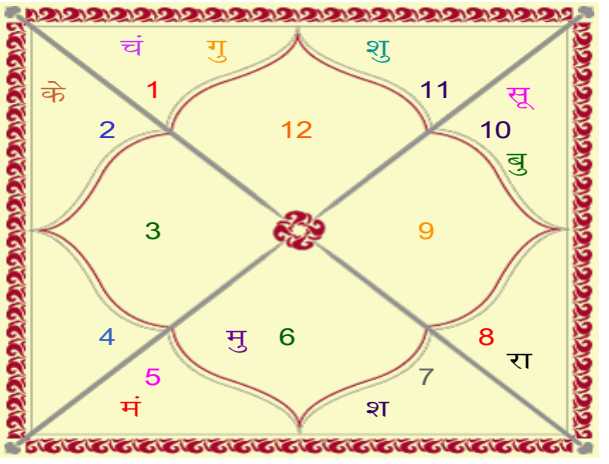

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा।इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे । इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय माह
02/03/2012 20:12:06

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		कन्या	13:29:07
सूर्य		कुम्भ	18:23:39
चन्द्र		मिथुन	05:44:34
मंगल	व	सिंह	20:06:38
बुध		मीन	06:07:54
गुरु		मेष	13:17:33
शुक्र		मेष	02:50:15
शनि	व	तुला	04:58:49
राहु		वृश्चिक	15:26:26
केतु		वृष	15:26:26
मु		कन्या	04:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

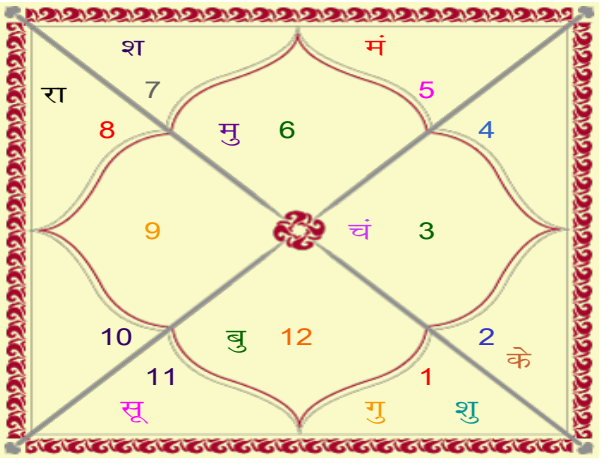

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा । आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा । धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ माह

02/04/2012 06:43:09

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मीन	28:53:57
सूर्य		मीन	18:40:24
चन्द्र		कर्क	15:04:29
मंगल	व	सिंह	10:34:44
बुध	व	मीन	00:04:41
गुरु		मेष	19:30:44
शुक्र		वृष	04:29:23
शनि	व	तुला	03:11:00
राहु		वृश्चिक	12:35:16
केतु		वृष	12:35:16
मु		कन्या	07:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

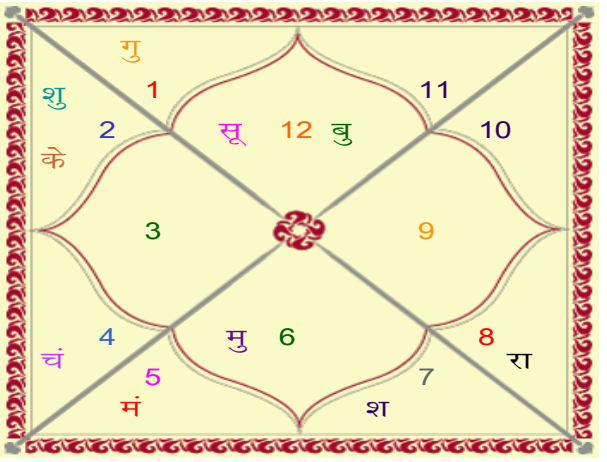

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे । साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् माह
02/05/2012 17:14:12

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		कन्या	27:05:41
सूर्य		मेष	18:26:22
चन्द्र		सिंह	27:20:15
मंगल		सिंह	11:33:35
बुध		मीन	25:03:31
गुरु		मेष	26:31:23
शुक्र		वृष	26:53:27
शनि	व	तुला	00:53:32
राहु		वृश्चिक	11:12:48
केतु		वृष	11:12:48
मु		कन्या	09:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

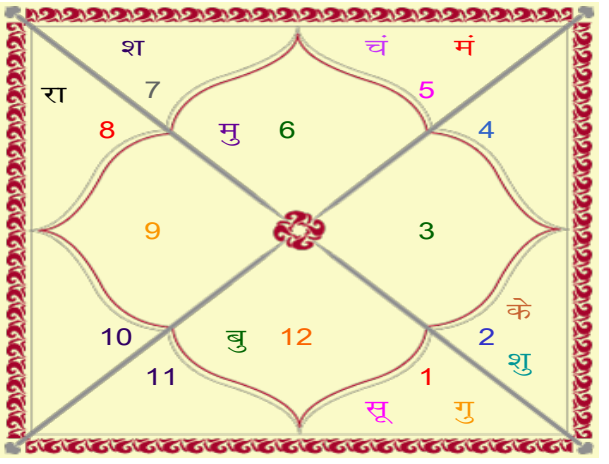

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे।इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे।इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

षष्ठ माह

02/06/2012 03:45:15

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मेष	19:07:46
सूर्य		वृष	17:46:02
चन्द्र		तुला	11:59:30
मंगल		सिंह	21:04:47
बुध		वृष	24:27:32
गुरु		वृष	03:42:24
शुक्र	व	वृष	24:15:34
शनि	व	कन्या	29:10:28
राहु		वृश्चिक	11:02:41
केतु		वृष	11:02:41
मु		कन्या	12:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

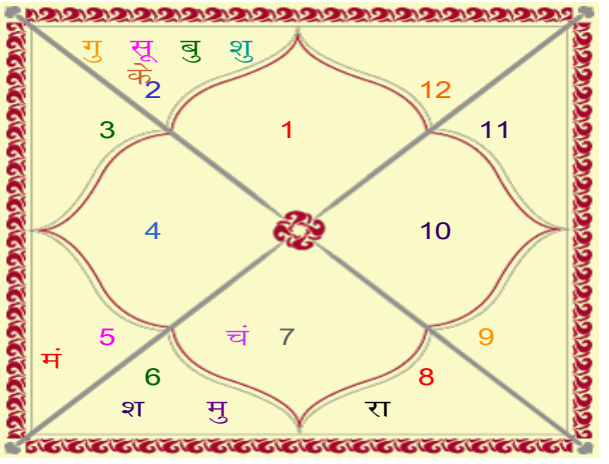

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी । इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् माह
02/07/2012 14:16:18

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		तुला	10:32:52
सूर्य		मिथुन	16:50:16
चन्द्र		वृश्चिक	27:18:45
मंगल		कन्या	05:21:29
बुध		कर्क	12:32:12
गुरु		वृष	10:30:54
शुक्र		वृष	13:52:15
शनि		कन्या	28:46:07
राहु		वृश्चिक	10:40:38
केतु		वृष	10:40:38
मु		कन्या	14:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

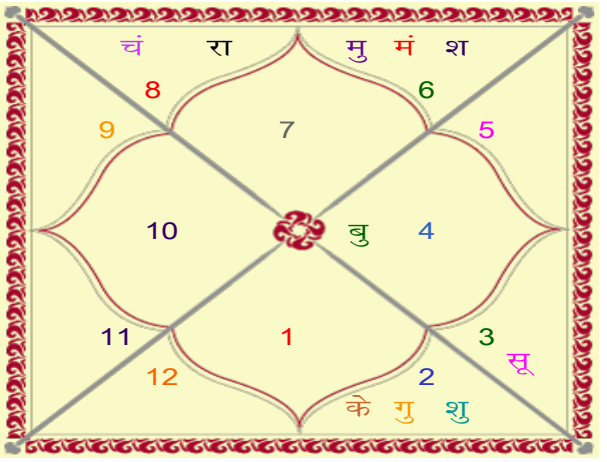

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे । धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे । इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे । इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य क्रम को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अष्टम् माह

02/08/2012 00:47:21

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		वृष	07:10:05
सूर्य		कर्क	15:53:19
चन्द्र		मकर	11:27:08
मंगल		कन्या	22:27:31
बुध	व	कर्क	09:25:42
गुरु		वृष	16:22:09
शुक्र		मिथुन	00:59:34
शनि		कन्या	29:51:33
राहु		वृश्चिक	08:46:32
केतु		वृष	08:46:32
मु		कन्या	17:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

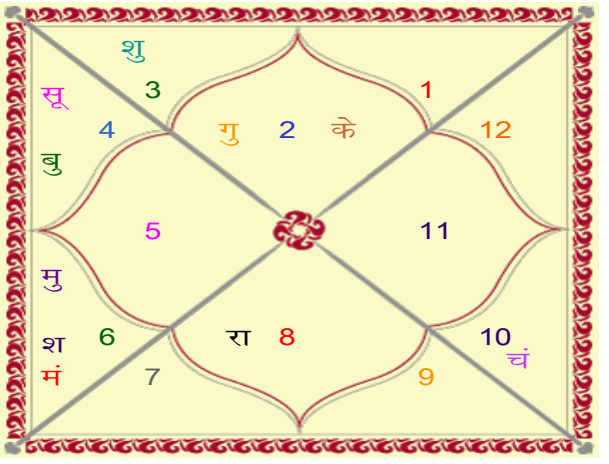

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे । साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं।इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

नवम् माह
01/09/2012 11:18:24

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		तुला	23:49:51
सूर्य		सिंह	15:09:41
चन्द्र		कुम्भ	23:10:51
मंगल		तुला	11:31:02
बुध		सिंह	06:13:33
गुरु		वृष	20:34:24
शुक्र		कर्क	00:13:22
शनि		तुला	02:13:46
राहु		वृश्चिक	05:31:53
केतु		वृष	05:31:53
मु		कन्या	19:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

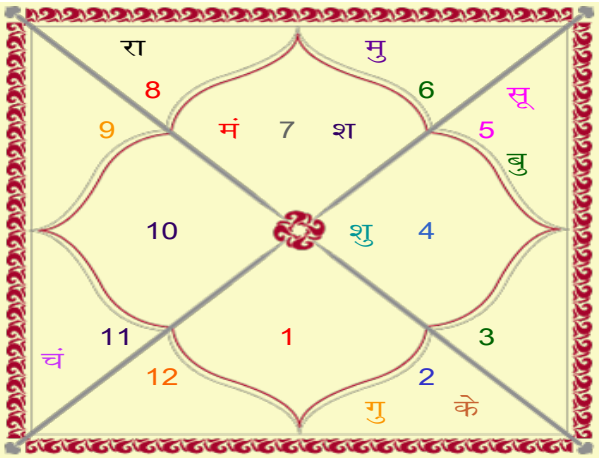

यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

दशम् माह
01/10/2012 21:49:27

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		वृष	23:14:21
सूर्य		कन्या	14:51:00
चन्द्र		मेष	02:21:41
मंगल		वृश्चिक	02:07:21
बुध		तुला	00:16:00
गुरु		वृष	22:19:43
शुक्र		सिंह	04:05:31
शनि		तुला	05:28:25
राहु		वृश्चिक	02:51:19
केतु		वृष	02:51:19
मु		कन्या	22:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

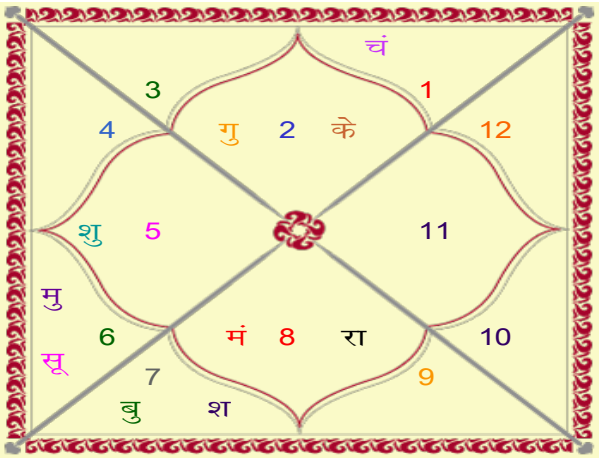

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश माह

01/11/2012 08:20:30

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		वृश्चिक	07:02:02
सूर्य		तुला	15:02:57
चन्द्र		वृष	09:58:40
मंगल		वृश्चिक	24:01:12
बुध		वृश्चिक	08:09:17
गुरु	व	वृष	21:05:16
शुक्र		कन्या	10:17:26
शनि		तुला	09:06:52
राहु		वृश्चिक	01:59:06
केतु		वृष	01:59:06
मु		कन्या	24:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

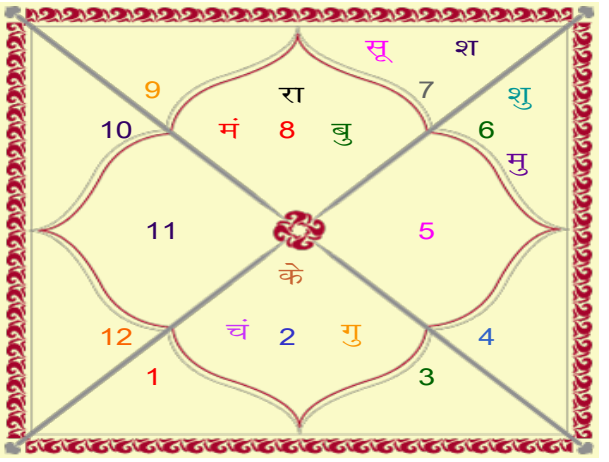

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे । इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश माह

01/12/2012 18:51:33

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मिथुन	07:53:04
सूर्य		वृश्चिक	15:43:10
चन्द्र		मिथुन	17:35:17
मंगल		धनु	16:57:39
बुध		तुला	25:49:38
गुरु	व	वृष	17:27:49
शुक्र		तुला	17:43:42
शनि		तुला	12:38:13
राहु		वृश्चिक	01:59:37
केतु		वृष	01:59:37
मु		कन्या	27:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

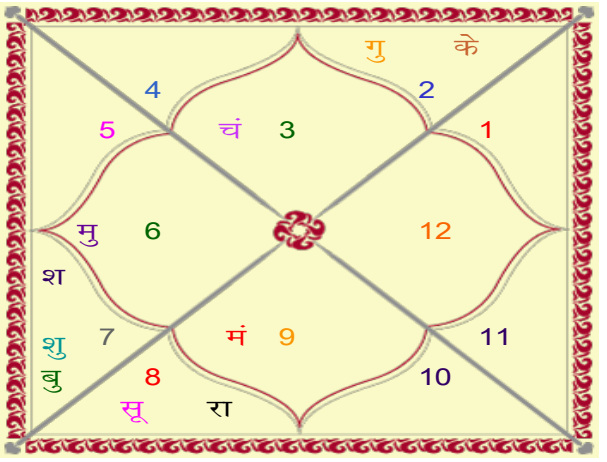

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।